

हड़ताल में बढ़ी सेवाओं की कीमतें, पटवारी बोले-कैसे छोड़ दे धनलक्ष्मी

दिखावे की चल रही पटवारी हड़ताल, बंद कमरों में चल रहा कार्य

हरिभूमि न्यूज़ ॥छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

जिले में पटवारियों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर शुरू हुई हड़ताल का असर महज दो दिन में ही प्रशासनिक कामकाज पर दिखाई देने लगा है। नामांतरण, बंटवारा, रजिस्ट्री से जुड़े राजस्व कार्य और पटवारियों के माध्यम से ऑनलाइन होने वाली कई प्रक्रियाओं पर ब्रेक लगने से किसान और आम नागरिक परेशान हैं।

पटवारियों ने कैडर रिव्यू, पदेन्तति और नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया है। प्रदेशभर में यह आंदोलन जोर पकड़ रहा है और 3 अगस्त के बाद पटवारियों के पूर्ण रूप से हड़ताल पर जाने की बात कही जा रही है। लेकिन छिंदवाड़ा में इस हड़ताल ने एक दूसरा ही सवाल खड़ा कर दिया है क्या यहां हड़ताल



वास्तव में हड़ताल है या फिर सिर्फ सरकार को दिखाने का एक तरीका। हरिभूमि के पास उपलब्ध वीडियो फुटेज और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर ऐसे आरोप सामने आए हैं कि कुछ पटवारी सार्वजनिक रूप से हड़ताल का हिस्सा दिखाई दे रहे हैं, लेकिन पदों के पीछे राजस्व

संबंधी कामकाज कथित तौर पर जारी है। यदि यह सच है तो यह सिर्फ हड़ताल का मामला नहीं, बल्कि राजस्व व्यवस्था की परदर्शिता और सरकारी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है। सबसे बड़ा सवाल उन कामों को लेकर है जिनके लिए आम आदमी वर्षों से पटवारी व्यवस्था



पर निर्भर है। नामांतरण हो, बंटवारा हो, खसरा-नकल हो या अन्य राजस्व संबंधी प्रक्रिया इन कामों के लिए आम नागरिक को पटवारी से संपर्क करना ही पड़ता है। आरोप है कि जिन कामों के लिए सरकारी प्रक्रिया और निर्धारित शुल्क की व्यवस्था है, उन्हीं कामों को कराने के लिए कथित तौर पर अलग से पैसे मांगे जाते हैं।

अब सवाल यह है कि यदि

पटवारी वास्तव में हड़ताल पर हैं तो ये काम कैसे और किसके माध्यम से हो रहे हैं। हरिभूमि को मिले साक्ष्यों में कथित तौर पर ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें हड़ताल के बावजूद काम कराने के लिए लोगों से संपर्क और लेन-देन की बातें सामने आती हैं। सूत्रों का दावा है कि कुछ मामलों में हड़ताल का हवाला देकर काम कराने की 'कीमत' पहले से ज्यादा बताई जा रही है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र प्रशासनिक जांच आवश्यक है।यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पटवारी के काम से जुड़े राजस्व अमले के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका पर भी

सवाल उठ रहे हैं। यदि हड़ताल के दौरान भी काम जारी है तो क्या तहसील स्तर पर इसकी जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को नहीं है और यदि जानकारी है तो कार्रवाई क्यों नहीं?

सरकार को प्रभावित करने के लिए हड़ताल करना कर्मचारियों का लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन हड़ताल की आड़ में सरकारी कामकाज जारी रखकर कथित रूप से आर्थिक लाभ लेना गंभीर प्रशासनिक अनियमितता का विषय बन सकता है। अब जरूरत है कि जिला प्रशासन केवल पटवारियों की हड़ताल की स्थिति देखने तक सीमित न रहे, बल्कि हड़ताल के दौरान किए गए राजस्व कार्यों, ऑनलाइन गतिविधियों, नामांतरण-बंटवारा प्रकरणों और संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराए।

बारिश के बीच निर्माण पर उठे सवाल, बिना वाइब्रेटर के टॉपिंग करने का आरोप, बेस के तुरंत बाद डाल दिया कांक्रीट

चांद नगर परिषद में छह घंटे में बन गई 50 मीटर सीसी रोड!

हरिभूमि न्यूज़ ॥छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

नगर परिषद चांद के वार्ड क्रमांक 05 में सीसी रोड निर्माण को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। मेहरसिंह रघुवंशी के घर से दीनदयाल चौधरी के घर तक करीब 50 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कथित तौर पर महज छह घंटे में पूरा कर दिया गया। इतनी तेजी से हुए निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों ने सड़क की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान बेस तैयार करने के तत्काल बाद उसके ऊपर कांक्रीट की टॉपिंग कर दी गई। आरोप यह भी है कि कांक्रीट को उचित तरीके से कॉम्पैक्ट करने के लिए एक्स्ट्रेटर का इस्तेमाल नहीं किया गया।

यदि यह आरोप सही पाया जाता है तो सड़क की मजबूती और टिकाऊपन को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। मामले में सबसे बड़ा सवाल निर्माण के समय



को लेकर उठ रहा है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक क्षेत्र में बारिश हो रही थी और पानी गिरने के बावजूद सीसी रोड का निर्माण जारी रखा गया। सवाल यह है कि आखिर ऐसी क्या जल्दबाजी थी कि बारिश के बीच ही निर्माण कार्य पूरा करना जरूरी समझा गया?

सीसी रोड की गुणवत्ता के लिए बेस की तैयारी, निर्धारित मोटाई, कांक्रीट की गुणवत्ता, लेवलिंग, कम्पैक्शन और निर्माण के बाद क्योरिंग जैसी प्रक्रियाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

ऐसे में बारिश के बीच किए गए निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता की जांच जरूरी हो जाती है।छह घंटे में

सड़क, क्या पूरी हुई तकनीकी प्रक्रिया?50 मीटर सड़क का निर्माण छह घंटे में पूरा किए जाने के दावे ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या बेस को निर्धारित तरीके से तैयार किया गया। क्या कांक्रीट की निर्धारित मोटाई रखी गई।

क्या कांक्रीट को वाइब्रेटर से पर्याप्त रूप से कॉम्पैक्ट किया गया? क्या निर्माण के बाद आवश्यक क्योरिंग की गई? और सबसे अहम क्या नगर परिषद का तकनीकी अमला पूरे निर्माण के दौरान मौके पर मौजूद था?इन सवालों का जवाब केवल कागजों में नहीं, बल्कि मौके की तकनीकी जांच से सामने आ सकता है।

कागजों और जमीन पर निर्माण का हो मिलान

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए। सड़क की वास्तविक लंबाई और मोटाई के साथ निर्माण में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की जांच हो। इसके अलावा तकनीकी स्वीकृति, कार्यादेश, स्वीकृत लागत, माप पुस्तिका (एमबी) और भुगतान रिकॉर्ड का भी परीक्षण किया जाए।यदि दस्तावेजों में ढर्ज निर्माण और मौके पर किए गए कार्य में अंतर मिलता है तो मामला गंभीर वित्तीय और तकनीकी अनियमितता का बन सकता है।



नगर परिषद की निगरानी पर भी सवाल

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि नगर परिषद की राशि का उपयोग कथित रूप से चहेते ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसकी भी निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। सवाल यह भी है कि यदि तकनीकी अधिकारी मौके पर मौजूद थे तो उन्होंने निर्माण की प्रक्रिया और गुणवत्ता पर आपत्ति क्यों नहीं उठाई? और यदि अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे तो बिना तकनीकी निगरानी के सड़क निर्माण कैसे पूरा हो गया? नगरवासियों का कहना है कि सार्वजनिक धन से बनने वाली सड़क में गुणवत्ता से समझौता हुआ तो इसका नुकसान सीधे जनता को उठाना पड़ेगा। सड़क समय से पहले खराब हुई तो मरम्मत के नाम पर दोबारा सरकारी राशि खर्च होगी। अब नगर परिषद प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह आरोपों को गंभीरता से लेते हुए सड़क की तकनीकी जांच कराए। यदि निर्माण नियमों के मुताबिक हुआ है तो जांच से स्थिति साफ हो जाएगी, लेकिन यदि तकनीकी मानकों की अनदेखी सामने आती है तो ठेकेदार से लेकर निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों तक जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

21 से 23 अगस्त तक चलेगा तामिया सावन महोत्सव

पर्यटकों के लिए कई रोमांचकारी गतिविधियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज़ ॥छिंदवाड़ा

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड व जिला प्रशासन अगस्त माह में तामिया सावन महोत्सव का आयोजन करने जा रहे हैं, इस महोत्सव का उद्देश्य छिंदवाड़ा जिले में चल रहे ग्रामीण होम स्टे का प्रमोशन, पर्यटन विकास और स्थानीय पंपापरिक खेलों को बढ़ावा देना होगा। तामिया सावन महोत्सव 21 से 23 अगस्त 2026 तक चलेगा। जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के माध्यम से होने वाले तामिया सावन महोत्सव में पर्यटकों के लिए सावन के झूले, आदिवासी आर्ट, हस्तशिल्प,



हथकरघा की वस्तुओं की बिक्री, नेचर फोटोग्राफी प्रतियोगिता सहित अनेक प्रकार की गतिविधियां होंगी। कलेक्टर हरेंद्र नारायन, जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में तामिया सावन महोत्सव की तैयारियां व्यापक स्तर पर की जा रही हैं। जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी श्री बलराज राजपूत ने

बताया कि 21 से 23 अगस्त 2026 तक होने वाले तीन दिवसीय तामिया सावन महोत्सव में स्थानीय नृत्य, लोककला और लोक संगीत को शामिल किया जा रहा है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से सावन महोत्सव तामिया के सुप्रसिद्ध पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पास होगा। यहां पर्यटकों के खान-पान के लिए अनेक स्टाल लगाए जाएंगे। सावन में झूलों का महत्व होता है, यहां आने वाले पर्यटक झूलों का आनंद उठा सकेंगे। पर्यटकों को वल्पर पाईट, चीड़ पाईट, छोट्टा महादेव, ग्वालगढ़ पहाड़ी, तुलतुला पहाड़ की ट्रैकिंग गाइड द्वारा कराई जाएगी।

मेडिकल की आड़ में ‘डॉक्टर’ का खेल! बिना डिग्री-लाइसेंस इलाज के आरोप

मोहखेड़ तहसील के ग्राम हीरावाड़ी का मामला, बीएमओ से कार्यवाही की उम्मीद नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ॥छिंदवाड़ा

तहसील मोहखेड़ क्षेत्र में मेडिकल स्टोर की आड़ में कथित रूप से बिना वैध चिकित्सकीय डिग्री और पंजीयन के मरीजों का इलाज किए जाने का मामला सामने आया है। रीता पिपली नाक की महिला पर आरोप है कि वह स्वयं को डॉक्टर बताकर घर और मेडिकल स्टोर के पीछे बैठकर मरीजों का उपचार करती है। ग्रामीणों का दावा है कि छिड़की, कनेरी और विमडिया गांवों में सरकारी प्राथमिक स्कूल के भवन में बैठकर भी उसके द्वारा मरीजों का इलाज किया गया है।



महिला पर अवैध गर्भपात कराने और यहां तक कि नाबालिगों के गर्भपात से जुड़े आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला बेहद गंभीर हो जाएगा और संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ-साथ अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच आवश्यक होगी।

स्थानीय अधिकारियों से नहीं, स्वतंत्र टीम से हो जांच

ग्रामीणों की मांग है कि पूरे मामले की जांच स्थानीय स्वास्थ्य अमले तक सीमित न रखकर वरिष्ठ अधिकारियों की स्वतंत्र टीम से कराई जाए। जांच में संबंधित महिला की शैक्षणिक योग्यता, मेडिकल पंजीयन, मेडिकल स्टोर का लाइसेंस, दवाइयों की खरीदी-बिक्री का रिकॉर्ड, मरीजों के उपचार संबंधी दस्तावेज और गर्भपात के आरोपों की पड़ताल की जाए। साथ ही यह भी जांच हो कि यदि सरकारी स्कूल के भवन में वास्तव में उपचार किया गया तो किसकी अनुमति से और किसकी जानकारी में यह गतिविधि चलती रही? ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को किसी गंभीर घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल जांच और कार्रवाई करनी चाहिए। अब सवाल सीधा है शिकायतों के बावजूद आखिर स्वास्थ्य विभाग कब जागोगा? क्या ग्रामीणों की जान जोखिम में पड़ने के बाद ही कार्रवाई होगी, या प्रशासन समय रहते इस कथित 'मेडिकल' के खेल की पूरी हकीकत सामने लाएगा?

शिकायतें कई, कार्रवाई शून्य क्यों?

ग्रामीणों के अनुसार इस मामले की शिकायत स्वास्थ्य विभाग में कई बार की जा चुकी है। वर्तमान बीएसओ डॉ. संजय राय के संहान में भी मामला होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन अब तक ऐसी प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके।सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि बिना वैध योग्यता के चिकित्सा किए जाने की शिकायत बार-बार मिल रही है तो स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित महिला की डिग्री, पंजीयन, दवा बिक्री लाइसेंस और उपचार से जुड़े दस्तावेजों की व्यापक जांच क्यों नहीं कराई? पुरानी जांच रिपोर्ट भी सवालों मेंबताया जा रहा है कि पूर्व में भी मामले की जांच की गई थी। उस समय कथित तौर पर ऐसी रिपोर्ट बनाई गई कि महिला एलोपैथिक दवाओं का इस्तेमाल नहीं करती। लेकिन इसी मामले से जुड़ी सार्वजनिक की गई तस्वीरों में मरीज को लाइन के माध्यम से ग्लूकोज दिए जाने जैसी स्थिति दिखाई देने का दावा किया जा रहा है।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि एलोपैथिक उपचार नहीं किया जा रहा था तो ग्लूकोज चढ़ाने जैसी चिकित्सा प्रक्रिया वहां कैसे हो रही थी? यह विरोधाभास पिछली जांच की निष्पत्ती पर भी सवाल खड़े करता है और पूरे मामले की दोबारा स्वतंत्र जांच की जरूरत बताता है। अवैध गर्भपात के आरोप बेहद गंभीर मामले में सबसे गंभीर आरोप गर्भपात को लेकर सामने आए हैं। सूत्रों के हवाले से संबंधित

भारत मुक्ति मोर्चा, विद्यार्थी मोर्चा ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा झापन



सौसर। भारत मुक्ति मोर्चा एवं भारतीय विद्यार्थी मोर्चा देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक झापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भावना मलंगम को सौंपा गया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो देश भर में तीन चरणों में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। संगठन ने देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एंटीए की कार्यप्रणाली और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की उच्चस्तरीय समीक्षा की जाए। नीट परीक्षा और अन्य पेपर लीक जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कानून बनाए जाएं। मांगें पूरी न होने पर संगठन द्वारा 31 जुलाई को प्रथम चरण, 20 अगस्त को द्वितीय चरण और 22 सितंबर को अंतिम चरण के तहत देशव्यापी उग्र आंदोलन किया जाएगा।इस दौरान झापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सिराज शेख, विजय घाटोडे, कृष्ण पहाड़, रौफ अली, योगिराज वासुनिक, अरुण बागडे, प्रकाश सहारे, गोविंदा दुकारे, भीमराव सोमकुंवर, प्रदीप सोमकुंवर, सुरेश सेमबेकर, राकेश सिरसाधन धर्मेदर सोनेकर आदि उपस्थित थे।

कन्हान गौशाला परतापुर का उपसंचालक ने किया निरीक्षण, आत्मनिर्भर बनाने के लिए निर्देश



सौसर। शुक्रवार को उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. एच.जी.एस. पक्षवारने सौसर के परतापुर स्थित शासकीय कन्हान गौशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सौसर तहसीलदार श्रीमती भावना मलंगम प्रमुखता से उपस्थित थे।नारीशक्ति महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित इस गौशाला में निरीक्षण के दौरान कुल 101 गौवंश सुरक्षित पाए गए।निरीक्षण के दौरान गौशाला में भूसा, मक्का और ज्वार कुटी का पर्याप्त भंडारण मिला। साथ ही, गौशाला की 5 एकड़ भूमि पर उगाई गई नैपियर घास 10 से 12 फीट तक विकसित पाई गई। डॉ. पक्षवार ने निर्देश दिए कि इस घास को चाफ कटर से कुटकर भूसे में मिलाकर गौवंश को खिलाया जाए ताकि उन्हें बेहतर पोषण मिल सके। उन्होंने नैजर में भूसा व खुदना की उपलब्धता और साफ-सुथरे पेयजल टैंक का भी जायजा लिया, जिस पर नियमित चूने की पुताई करने की सलाह दी।गौशाला को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए डॉ. पक्षवार ने केंचुआ खाद और गौकाष्ठ (गोबर की लकड़ी) का निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, मत्स्य पालन हेतु बने टांकों में शीघ्र ही मछली पालन शुरू करने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान नारीशक्ति महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति गडेकर विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

शासकीय कॉलेज दमुआ में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

दमुआ। शासकीय महाविद्यालय दमुआ में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्रों ने बड़-चढ़कर भाग लिया।वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस की थीम 'Sharing the Human Spirit through Friendship' पर आधारित है। इसी थीम को केंद्र में रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मित्रता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की गई। इस अवसर पर वक्ता डॉ. राजेश कुमार लोखंडे ने कहा कि मित्रता मानव जीवन का एक अमूल्य संबंध है, जो आपसी सहयोग, विश्वास एवं सद्भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सच्ची मित्रता के महत्व को समझने और उसे अपने जीवन में अजानने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान ऑनलाइन माध्यम से वीडियो और ऑडियो के द्वारा मित्रों से संपर्क कर बात की गई। इसके बाद सभी विद्यार्थियों ने अपने विचार साझा किए और मित्रता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा मित्रता विषयक भाषण, कविता पाठ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने सभी को भावविभोर कर दिया।कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती रश्मि दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि मित्रता जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है और समाज में एकता एवं भाईचारे की भावना को सुदृढ़ बनाती है।कार्यक्रम का संयोजन सुष्मा टांडेकर एवं दिनेश इबनानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश इबनानी द्वारा किया गया तथा अंत में सभी ने एक-दूसरे को मित्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

लोक परीक्षा निवारण संशोधन विधेयक से पेपर लीक करने वालों को मिलेगी कड़ी सजा: सांसद

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि लोक परीक्षा अमूचित साधनों का निवारण संशोधन विधेयक 2026 लोकसभा में पारित हो गया है। लोक परीक्षा निवारण संशोधन विधेयक से पेपर लीक करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक लोक परीक्षा अमूचित साधनों का निवारण अधिनियम 2024 को निवारण को बढ़ाकर, जांच और मुकदमों में गति लाकर, साथ ही संस्थापन जवाबदेही को सुदृढ़ करके मजबूत करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक जुमन में पर्याप्त वृद्धि करता है, दोषी व्यक्तियों के लिए जुर्माना 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करता है। साथ ही सेवा प्रदाताओं के लिए 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ किया गया है, तथा डिजारेमेंट की अवधि चार साल से बढ़ाकर आठ साल कर दी गई है। संगठित अपराध से जुड़े मामलों में कारावास की उच्च अवधि के साथ-साथ व्यूजतम जुर्माना 1 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ किया गया है। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि यह विधेयक केंद्र सरकार को अधिनियम के अंतर्गत अपराधों की विशेष रूप से जांच करने के लिए एक विशेष कार्य बल (एस टी एफ) के गठन का अधिकार देता है और सूचना दर्ज होने या संदर्भ प्राप्त होने के दो महीने के भीतर जांच पूरी करने को अनिवार्य करता है। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए यह प्रत्येक राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालयों को नामित करने, आमतौर पर आरोपजन प्रस्तावित करने के तीन महीने के भीतर द्वि-प्रतिदिन के मुकदमों को समाप्त करने को अनिवार्य करता है और विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का प्राधान्य करता है।

अंतिम संस्कार करना हुआ कठिन, नेता प्रतिपक्ष वीर बहादुर का परिषद पर हमला



बारिश में मोक्षधामों की बदहाली बनी मुसीबत, छत गायब, शेड धराशायी

हरिभूमि न्यूज़ ॥परासिया

शहर में एक ओर बरसात का मौसम लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य के लिए भी नागरिकों को मारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परासिया के विभिन्न मोक्षधाम बदहाल स्थिति में हैं। कहीं शेड गायब है तो कहीं सीमेट कांटीक्रेट के पिलर और शेड क्षतिग्रस्त होकर गिर चुके हैं।



बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करने की मजबूरी लोगों के लिए पीड़ादायक साबित हो रही है। इस मुद्दे को लेकर नगर पालिका परिषद पर सवाल उठने लगे हैं। नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने भाजपा परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शहर की मूलभूत

व्यवस्थाएं लगातार बदहाल होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक पहले से ही साफ पेयजल, नियमित सफाई और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। अब स्थिति यह है कि किसी परिवार में मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील प्रक्रिया भी सम्मानजनक ढंग से

नहीं हो पा रही है।उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक-7 स्थित रावनवाड़ा रोड का मोक्षधाम, जो शहर का सबसे बड़ा मोक्षधाम माना जाता है, वहां साफ-सफाई, पेयजल और आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। सबसे गंभीर बात यह है कि यहां पहले तीन शेड लगे हुए थे, लेकिन उनमें से एक शेड रहस्यमय तरीके

से गायब हो गया। आरोप है कि या तो वह चोरी हो गया अथवा उसे हटा दिया गया, लेकिन आज तक इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। परिणामस्वरूप बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार के दौरान परिजनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। वीर बहादुर सिंह ने कहा कि हाथीडोह स्थित वार्ड क्रमांक-16 और 17 के मोक्षधाम की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। यहां बना सीमेट कांटीक्रेट का शेड पूरी तरह धराशायी हो चुका है। इसके चलते वार्ड क्रमांक 4, 12, 14, 15, 16 और 17 सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बारिश के दौरान खुले में अंतिम संस्कार करने की विवशता झेलनी पड़ रही है।



जनपद पंचायत कार्यालय में प्रेम प्रसंग: ट्रायंगल लव स्टोरी, प्रशासनिक साख पर सवाल

जनपद पंचायत सौंसर के अधिकारी और कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►►सौंसर

सौंसर जनपद पंचायत इन दिनों अपने प्रशासनिक कार्यों से ज्यादा एक कथित 'ट्रायंगल लव स्टोरी' और महिला-पुरुष कर्मचारियों के बीच चल रहे प्रेम प्रसंग को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। सोशल मीडिया से लेकर शहर के हर चौराहे पर इन चर्चाओं ने तूल पकड़ लिया है, जिससे एक तरफ जहां विभाग की छवि धूमिल हो रही है, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों में भी भारी असंतोष व्याप्त है। कार्रवाई को लेकर शुक्रवार को जनपद पंचायत के



अधिकारी कर्मचारियों ने जनपद सीईओ को ज्ञापन भी सोपा है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत सौसर में पदस्थ एक महिला और पुरुष कर्मचारी रोजाना छिंदवाड़ा से

अप-डाउन करते हैं। आरोप है कि कार्यालयीन समय के दौरान दोनों अक्सर अपनी ड्यूटी से गायब रहते हैं और उनके आपसी संबंधों के चर्चे अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर भी तेजी

से वायरल हो रहे हैं। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे में नया मोड़ तब आया जब इस मामले से जुड़े एक अन्य युवा को शामिल करते हुए इसे एक 'ट्रायंगल लव स्टोरी' का रूप दिया जाने लगा। चर्चाओं का बाजार इस बात को लेकर भी गर्म है कि इन नजदीकियों के कारण एक कर्मचारी के परिवार में कलह की स्थिति पैदा हो गई है, और बात यहां तक पहुंच गई है कि संबंधित की पत्नी द्वारा छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है।

कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, सीईओ को सौंपा ज्ञापन
कार्यालय का माहौल खराब होने और विभाग की साख पर बड़ा लगने से नाराज जनपद पंचायत के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को सभी ने एकजुट होकर जनपद पंचायत सीईओ को एक लिखित ज्ञापन सौंपा और तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में कर्मचारियों ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है,दोनों कर्मचारियों के आपसी संबंधों और कार्य के दौरान अनुपस्थिति के कारण कार्यालय का कामकाज प्रभावित हो रहा है और अनावश्यक रूप से नकारात्मक माहौल बन रहा है। कर्मचारियों ने मांग की है कि विभाग की गरिमा बनाए रखने के लिए दोनों संबंधित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से किसी अन्य जनपद पंचायत में सेंलमन (ट्रांसफर) किया जाए, ताकि बाकी कर्मचारी शांतिपूर्ण तरीके से अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। इस दौरान जनपद पंचायत के अधिकारी अनिल सहारे,मेतीरानी ठाकरे,कमलेश घनश्याम डेहरिया,शुभम उड्डके, बालकराम डोंगरे,सुधीर राउत,धर्मद खिलवाड़ी, संजय सूर्यवंशी,लता भवते,संजय यमदे,राधेश्याम चौधरी,संतोष मानमोड़,नीलकंठ बावनकर आदि शामिल रहे।

अमीन’ ऋषिराम का सेवानिवृति विदाई समारोह संपन्न
सौंसर । जल संसाधन विभाग सौसर में लंबे समय तक निष्ठावान सेवाएं देने के बाद ‘अमीन’ के पद से सेवानिवृत्त हुए ऋषिराम तिवारी के सम्मान में आज एक गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया।समारोह के दौरान कार्यपालन यंत्री श्रीमती संजना चौधरी ने श्री तिवारी को शाल और श्रीफल गेट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा उनके सेवकाल की सराहना की। उपस्थित अधिकारियों ने अपने संबंधन में कहा कि श्री तिवारी ने अपने लंबे सेवकाल के दौरान विभाग में उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपनी एक विशिष्ट और सकारात्मक पड़चान बनाई है। सभी कर्मचारियों ने परमपिता परमेश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें विदाई उपहार दे किए। विदाई समारोह के अंत में श्री ऋषिराम तिवारी ने अपने सेवकाल के संस्मरण साझा करते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नौकरी के दौरान उन्हें सभी का भरपूर स्नेह, सहयोग और साथ मिला, जो उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है।इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के सहायक यंत्री मोहम्मद फैजाल उपयंत्री अनिकेत विश्वकर्मा,उपरयंत्री शशांक दुबे, स्थल सहायक श्रीराम फरकाड़े मौजूद रहे।

42 वर्षों की उत्कृष्ट शिक्षा सेवा के बाद संकुल प्राचार्य बी. एस. सीलू सेवानिवृत्त, दी गई भावभीनी विदाई
सिंगोड़ी : - शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगोड़ी के संकुल प्राचार्य बी.एस.सीलू के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में गरिमामय एवं भावभीनी विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनका पुष्पमालाओं, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-विहट गेट कर सम्मान किया तथा उनके दीर्घ, स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्री बी. एस. सीलू ने अपने लंबे शैक्षणिक कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में अतुल्यसन्, गुणवत्ता और संस्कारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके कुशल नेतृत्व में विद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, सामाजिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी बड़ी पहचान बनाई। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। विदाई समारोह में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लडुआ के प्राचार्य बीरबल फुरेती, वरिष्ठ अध्यापक संजय सिन्हा, नरेश साहू, जगदीश तामकार, ओ.एस. बरकट्टे, बद्धी प्रसाद वर्मा, सुदीप जैन, सुधीर जैन, श्रीकांत नागवंशी, संदीप हेडाऊ, अनीश मंसूरी, महिला शिक्षिका प्रीति यदुवंशी, सुश्री रेखा उड्डेक, मौलश्री चौरे, रूपाली घोष, तोषी व्यास , शान्ति जैन , अचला देवांगन ,योगेश चौरसिया ,विजय शर्मा, राममरोस मातवीय , दिनेश सहाफल, सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में श्री बी. एस. सीलू ने विद्यालय परिवार द्वारा दिए गए स्नेह और सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा सेवा उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय रही है।



प्रभु प्रणाम गुप ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस, सामाजिक एकता का दिया संदेश

छिंदवाड़ा। प्रभु प्रणाम गुप के सक्रिय सदस्यों द्वारा नागपुर रोड स्थित इंग्लिसी चौराहे के सामने बेंबेट निवास एवं इमली का बूट परिसर में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और मित्रता के महत्व पर विचार साझा किए गए।इस अवसर पर इंजीनियर कृपाशंकर यादव ने अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्ची मित्रता समाज में प्रेम, विश्वास और भाईचारे को मजबूत बनाती है। उन्होंने सभी से आपसी सद्भाव बनाए रखने और सामाजिक कार्यों में मिलकर योगदान देने का आह्वान किया।कार्यक्रम में प्रभु प्रणाम गुप के सदस्य नरेश फरकट्टे, अशोक शर्मा, बुजकजर जी, के.एस. यादव, सैक्कराम यादव, सुनील चांद, प्रमोद चुग (अधिवक्ता), देवीलाल विश्वकर्मा, भारत भूषण चौधरी, भगवतराय सोनी, राकेश सिंह, गुलाब उड्डेक, श्रीमती उड्डेक सहित मनीष बेंबेट परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

60 लाख का सराय कॉम्प्लेक्स सवालों के घेरे में! निर्माण शुरू होते ही गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

एसडीओ की सख्ती के बाद तीनों निर्माण एजेंसियों को चेतावनी, राजनीतिक संरक्षण के आरोपों से गरमाया मामला
हरिभूमि न्यूज़ लॉजी ।

लांजी नगर के बस स्टैंड स्थित वर्षों पुराने जर्जर सराय कॉम्प्लेक्स की जगह करीब 60 लाख रुपये की लागत से बन रहे नए सराय कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू होते ही विवादों में आ गया है। निर्माण की गुणवत्ता को लेकर उड़ी शिकायतों ने पूरे मामले को चर्चा का विषय बना दिया है। आरोप है कि जिस निर्माण से यात्रियों को सुरक्षित और आधुनिक सुविधा मिलनी थी, उसी में घंटिया निर्माण सामग्री और



मानकों की अनदेखी की जा रही है। यदि शुरुआत में ही गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं, तो भविष्य में इस भवन की मजबूती पर गंभीर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पूर्वाटोला, ग्राम पंचायत खांडाफरी और ग्राम पंचायत टेकरी को दी गई है। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत के एसडीओ तारेन्द्र

प्रकाश परते ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमियां पाईं। इसके बाद तीनों निर्माण एजेंसियों को तत्काल गुणवत्ता सुधारने के निर्देश जारी किए गए। एसडीओ ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में स्वीकार नहीं किया जाएगा और निर्धारित मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करना होगा।

स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप

लगाए जा रहे हैं कि सराय कॉम्प्लेक्स के निर्माण का जिम्मा सत्तारूढ़ दल से जुड़ी पसंदीदा ग्राम पंचायतों को सौंपा गया है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इन्हीं चर्चाओं ने निर्माण प्रक्रिया को पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि जब लाखों रुपये की सार्वजनिक राशि खर्च हो रही है तो गुणवत्ता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। फिलहाल एसडीओ की सख्ती के बाद निर्माण एजेंसियों में हलचल है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि चेतावनी के बाद निर्माण कार्य वास्तव में गुणवत्ता के अनुरूप होता है या फिर यह परियोजना भी सरकारी निर्माण कार्यों में लापरवाही की एक और मिसाल बनकर रह जाएगी। जनता निष्पक्ष जांच और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मांग कर रही है।

खैरलांजी में मनरेगा निर्माण की खुली पोल, छत-दीवारों से रिसाव, खाद खराब हैडओवर के 2 महीने बाद ही टपकने लगा गोदाम

हरिभूमि न्यूज़ कटंगी। सरकारी योजनाओं से होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर अक्सर सवाल उठते हैं, लेकिन बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खैरलांजी में इसका जीता-जागता उदाहरण सामने आया है। मनरेगा योजना के तहत 13 लाख 64 हजार 502 रुपये की लागत से बनी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति खैरलांजी का नया सोसायटी गोदाम हैडओवर के महज 2 महीने बाद ही रिसने लगा है। मई 2026 में जिस भवन को ठेकेदार ने पूर्ण बताकर सौंपा था, जुलाई की पहली बारिश में ही उसकी छत और दीवारें जगह-जगह से टपकने लगीं हैं। नतीजतन गोदाम में रखी खाद नमी के कारण खराब हो रही है, किसान उठते लोने से मना कर रहे हैं और समिति को सीधा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही समिति के जरूरी दस्तावेजों के भी खराब होने का खराब मंडरा रहा है। शुक्रवार को आक्रोशित ग्रामीणों और किसानों ने गोदाम का सामूहिक निरीक्षण किया। मौके पर पंचनामा बनाकर सीईओ जनपद पंचायत कटंगी के नाम शिकायती आवेदन तैयार किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा निर्माण कार्य सरपंच,



सचिव, उपयंत्री और ठेकेदार की मिलीभगत से घंटिया स्तर का किया गया है।

क्या है पूरा मामला: ग्राम खैरलांजी में किसानों को खाद-बीज और अन्य कृषि सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति का गोदाम बनाया जाना था। इसके लिए मनरेगा योजना के तहत 13,64,502 रुपए स्वीकृत किए गए। निर्माण कार्य की एजेंसी ग्राम पंचायत खैरलांजी को बनाया गया। पंचायत ने यह काम साईं कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार धनेन्द्र भगत को दिया। निर्माण पूरा होने के बाद मई 2026 में समिति को भवन का हैडओवर घर दिया गया। समिति के प्रभारी प्रबंधक छगन लाल पटले ने बताया, मई में बिल्डिंग हैडओवर हुई थी। उस समय सब ठीक लग रहा था। लेकिन जैसे ही जुलाई में बारिश शुरू हुई, छत और दीवारों से

पानी का रिसाव शुरू हो गया। उनके अनुसार अभी गोदाम में यूरिया, डीएपी और अन्य खाद का स्टॉक रखा हुआ है। छत से टपकने वाले पानी के कारण बॉरे गीले हो गए हैं। किसान नमी वाली खाद नहीं ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति के रजिस्टर, बिल-बुक और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी इसी गोदाम में रखे हैं। लगातार रिसाव के कारण उनके खराब होने का

डर है। उन्होंने बताया कि समस्या की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। **ग्रामीणों का निरीक्षण, मौके पर बना पंचनामा:** समस्या बढ़ने के बाद शुक्रवार को गांव के किसान और ग्रामीण गोदाम पहुंचे। उन्होंने पूरे भवन का बारीकी से निरीक्षण किया। छत, दीवारों पर जगह-जगह दरारें और रिसाव के निशान देखे गए। ग्रामीणों ने मौके पर ही पंचनामा तैयार किया और सीईओ जनपद पंचायत कटंगी के नाम एक लिखित शिकायती आवेदन तैयार कर ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण कार्य बेहद घंटिया स्तर का हुआ है। निर्माण सामग्री में मानक का ध्यान नहीं रखा गया। सीमेंट, सप्रि और ईंट की गुणवत्ता भी संदिग्ध है। ग्रामीणों ने सीधे तौर पर प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाए हैं।

अज्ञात चोरों ने सुनसान घर में चोरी कीघर के सामानों की तोड़फोड़ की वारासिवनी पुलिस पर भारी पड़ रहे अज्ञात चोर

हरिभूमि न्यूज़ वारासिवनी।

सुनसान और बंद घरों को निशाना बनाकर चोरों द्वारा लाखों रुपए के आभूषण और नगदी चुराने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है।हाल में ही चोरों ने तीन दिन पूर्व नगर में दो बड़ी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था और लाखों रुपए के जेवरारत और नगदी रुपयों पर हाथ साफ किया था। वहीं एक बार फिर चोरों ने बालाघाट रोड पर स्थित जायसवाल पेट्रोल पंप के पीछे छिंदवाड़ा कॉलेज के पदस्थ प्रोफेसर मिथिलेश घोरमारे के निवास में 29-30 जुलाई की दरयामी रात नगदी रुपयों पर हाथ साफ कर फरार हो गए और घर गृहस्थी के कीमती सामानों को तोड़फोड़ कर घर में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर लेकर रफूचककर हो गए।

चोरी की जानकारी का पता परिजनों को तब चला, जब 30 जुलाई की सुबह घर में काम करने वाली महिला पं मिथिलेश घोरमारे के निवास पहुंची।जैसे ही उसने ताला खोलने का प्रयास किया। उसे ताला टूटा हुआ दिखाई दिया। अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा हुआ था।जिसके बाद मंजू ने इसकी जानकारी पड़ोसियों और मिथिलेश घोरमारे की दी।



प्रोफेसर मिथिलेश घोरमारे में बताया कि अभी क्या चोरी हुआ है, कुछ कहा नहीं जा सकता है। मेरे पति ठाकुर प्रसाद घोरमारे लोक निर्माण विभाग में कार्यरत है और मैं पहले वारासिवनी शंकरसाव पटेल महाविद्यालय थी। अभी मैं छिंदवाड़ा कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हु। काम करने वाली बड़ी मंजू ने हमे चोरी की जानकारी दी थी। मंजू ने

बताया है कि चोरों ने सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़फोड़ कर दिया है।आलमारी का सामान बिखरा हुआ है। बहुत ज्यादा सामानों को तोड़फोड़ दिया गया है।घर में कुछ नगद राशि थी। वह भी गायब है। हम 2-4 दिनों बाद वारासिवनी आने वाले है। घर आकर ही पता चलेगा कि क्या-क्या और कौन सा सामान चोरी हुआ है। उसके बाद ही पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करूंगा।इसके पहले भी हमारे घर में लाखों रुपए के जेवरात चोरी हो चुके है। आज तक उन चोरों को पुलिस पकड़ नहीं पाई है।

पंद्रह दिनों तक भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा से ओत प्रोत रहे विविध आयोजन शासकीय हाई स्कूल लिंगमारा में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का गरिमामय समापन

हरिभूमि न्यूज़ वारासिवनी। शासकीय हाई स्कूल लिंगमारा में 15 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भारतीय संस्कृति की गरिमा के अनुरूप किया गया। पखवाड़े का शुभारंभ प्रथम दिवस 15 जुलाई को विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्राचार्य श्री मेरावी एवं समस्त विद्यालयीन स्टाफ की उपस्थिति में मौं सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

पखवाड़े के दौरान निर्धारित कैलेंडर के अनुसार प्रति दिन विभिन्न रचनात्मक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। इनमें नवाचार गतिविधियाँ, निबंध लेखन प्रतियोगिता, योगाभ्यास, स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, गुरु- शिष्य परंपरा पर संवाद, कैरियर मार्गदर्शन, एएक गुरु—एक वृक्षर वृक्षाारोपण कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रमुख रहीं। सभी कार्यक्रम विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता। एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुए।समापन समारोह के अवसर पर मौं सरस्वती



एवं महर्षि सांदीपनि गुरु की विधिवत पूजा-अर्चना प्राचार्य श्री मेरावी एवं वरिष्ठ शिक्षक ज्ञानेंद्र पटले द्वारा की गई। इसके पश्चात विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गुरु-शिष्य परंपरा विषय पर प्रभावशाली भाषण, प्रेरणादायी गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं श्री बागड़े ने देशभक्ति गीत रजहॉं डाल-डाल पर सोने की चड़िया करती बसेराज की सुमधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया, जिस पर उपस्थित सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

महामंडलेश्वर नागेंद्र ब्रह्मचारी द्वारा नवीन ऋषि प्रसाद कार्यालय का शुभारंभ



छिंदवाड़ा। आशाराम बापू द्वारा प्रेरित विश्व में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली आध्यात्मिक मासिक पत्रिका ऋषि प्रसाद के नवीन कार्यालय का खजरी आश्रम में शुभारंभ किया गया। ऋषि प्रसाद मासिक पत्रिका (साहित्य)के संभान प्रमारी तुकाराम भाई के सराहनीय प्रयास से महामंडलेश्वर नागेंद्र ब्रह्मचारी जी ने कार्यालय का शुभारंभ किया । विगत कई वर्षों से छिंदवाड़ा से ही बैतूल ,सिवनी ,बालाघाट , मंडला , डिंडोरी आदि जिलों में ऋषि प्रसाद साहित्य का वितरण होता हैं । यह धार्मिक साहित्य समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए है । जो सम्पूर्ण मानव जाति को शास्त्र सम्मत जीवन जीने की कला सिखाती है । अपने छिंदवाड़ा जिले में ही इसका सकुल्लेशन लाखों में है । जिसके वितरण के लिए सैकड़ों सेवाधारियों की टीम हमेशा सेवा में तत्पर रहती है । एक सर्वे के अनुसार इस मासिक पत्रिका के विश्व मे 10 मिलियन पाठक है । मतलब विश्व में लगभग 1 करोड़ से अधिक लोग इस साहित्य को पढ़ते हैं । महामंडलेश्वर जी ने पूर्य बापूजी के सेवा कार्यों की खूब प्रशंसा की । कार्यक्रम में सिवनी ,बैतूल ,बालाघाट , मण्डला , डिंडोरी के हजारों साधक उपस्थित हुए तुकाराम भाई के सेवा कार्यों की सभी ने जमकर सराहना की । इस अवसर पर 'साधु प्रतिमा बहन ,साध्वी रेखा बहन, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई , समिति के अध्यक्ष मदन मोहन परसाई , सुभाष इंगले , एम आर पराडकर , ओमप्रकाश डहेरिया , नव्वराम डहेरिया , शम्भुदयाल साहू , जयसिंह परिहार ,राम रत्न वर्मा , अरुण अगवाल , सुखदेव मानकर ,गोवर्धन मालवीय , करुणेश पाल , डॉ. मीरा पराडकर , योगिता पराडकर , संगीता शिवदरे , शकुंतला कराडे आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे । उक्त जानकारी समिति के मीडिया प्रमारी भगवानदीन साहू ने दी ।

100 से अधिक पौधों का रोपण, स्वच्छता अभियान के तीसरे चरण में उमड़ा जनसैलाब



जुन्नारदेव। नगर की सुप्रसिद्ध देवस्थली ग्राम पंचायत जुन्नारदेव विशाला में स्थित पहली पारसी में शुक्रवार को आयोजित स्वच्छता अभियान के तीसरे चरण में जनसहभागिता का उत्साह देखने को मिला। अभियान के दौरान 100 से अधिक पौधों का रोपण जुन्नारदेव विशाला की सुरक्ष्य पहाड़ियों में किया गया तथा व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता एवं हरित वातावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जुन्नारदेव, दमुआ और इंगूरिया क्षेत्र से आए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के तहत सभी ने श्रमदान कर परिसर की सफा-सफाई की और विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया। आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता को लेकर लोगों को प्रेरित किया गया।आयोजकों ने कहा कि स्वच्छता और पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो नगर को स्वच्छ और हरित बनाने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।



खबर संक्षेप

सार्वजनिक श्री शिवमहापुराण कथा का मय्य आयोजन 3 से 11 अगस्त तक

हरिभूमि न्यूज सिवनी। श्रावण मास के पावन अवसर पर सिवनी में 3 अगस्त से 11 अगस्त 2026 तक नौ दिवसीय सार्वजनिक श्री शिवमहापुराण कथा का भव्य आयोजन पूर्णतः जन-सहयोग से किया जा रहा है। यह आयोजन शहर के हृदय स्थल शौर्य चौक से बाहुबली चौक मार्ग पर, जिला अस्पताल के सामने स्थित सुसज्जित स्मृति लॉन सिवनी में संपन्न होगा। आयोजन नर्मदेश्वर महादेव की कृपा एवं ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के आशीर्वाद से उनकी जन्मस्थली सिवनी में आयोजित किया जा रहा है। कथा का वाचन गीता पराभक्ति मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, गीता मनीषी ब्रह्मचारी निर्विकल्प स्वरूप जी महाराज के श्रीमुख से होगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं एवं सनातन धर्म प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्री शिवमहापुराण कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक एवं पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। शोभायात्रा 3 अगस्त 2026 (प्रथम श्रावण सोमवार) को दोपहर 2 बजे नर्मदेश्वर महादेव, श्री हनुमान व्यायामशाला, भैरोंगंज, सिवनी से प्रारंभ होगी।

प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम विकास खंड स्तरीय मासिक बैठक सह प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकास खंड घंसीर जिला सिवनी द्वारा प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के तहत विकास खंड स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत घंसीर के सभा कक्ष में किया गया। सर्व प्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ म.प्र जन अभियान परिषद् की ब्लाक मधुबाला चौरसिया, सामाजिक न्याय विभाग की ब्लाक समन्वयक श्रीमति नेहा कुमरे, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से कविता राणा चौरसिया,जनपद पंचायत से संगीता चतुर्वेदी, नवांकुर संस्थाये, परामर्शदाता, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष की उपस्थिति में मां सरस्वती जी का पूजन-अर्चन कर किया गया। पूजन के पश्चात उपस्थित अधिकारियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। ब्लाक समन्वयक द्वारा प्रस्फुटन शक्ति संचय विकास खंड स्तरीय बैठक सह प्रशिक्षण के एजेंडे में बतलाया गया कि प्रस्फुटन समितियों की समीक्षा के साथ अग्रिम कार्ययोजना में स्वेच्छिकता पर्व, नवांकुर सखी कार्यक्रम, घर घर रिरंगा अभियान,एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम नवांकुर संस्थाओं और प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से ग्राम स्तर पर किया जाना है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सिलेंस, शासकीय पी.जी. कॉलेज में शैलेन्द्र जैन का सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त समारोह

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सिलेंस, शासकीय पी.जी. कॉलेज सिवनी में कार्यरत शैलेन्द्र जैन, प्रयोगशाला तकनीशियन, 41 वर्षों की दीर्घ एवं उत्कृष्ट शासकीय सेवा पूर्ण करने के उपरांत सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। आपने भौतिक शास्त्र विभाग में प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर कार्य करते हुए अपनी सेवाएँ अत्यंत निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ प्रदान कीं। विभागीय कार्यों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता सदैव प्रेरणादायी रही। महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ़ के साथ आपका सौहार्दपूर्ण एवं सहयोगात्मक व्यवहार रहा, जिसके कारण सभी के साथ आपका उत्कृष्ट तालमेल बना रहा। छात्र-छात्राओं के बीच भी आप अत्यंत लोकप्रिय रहे तथा आपने उन्हें सर्वेभारपूर्ण एवं सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय परिवार आपकी दीर्घकालीन सेवाओं के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है तथा आपके स्वस्थ, सुखमय एवं सफल सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामनाएं करता है। कार्यक्रम मे प्राचार्य डॉ रविशंकर नाग, अजय बाबा पाण्डेय व समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ पवन कुमार वासनिक ने किया।

भीमगढ़ बांध के दो गेट खुले, बैनगंगा नदी में 265 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया

हरिभूमि न्यूज▶▶सिवनी।

जिले की जीवनदायिनी संजय सरोवर परियोजना (भीमगढ़ बांध) का जलस्तर निर्धारित सीमा के करीब पहुंचने के बाद शुक्रवार सुबह 11.30 बजे बांध के दो गेट खोल दिए गए। जल संसाधन विभाग द्वारा गेट क्रमांक 5 और 6 को एक-एक मीटर तक खोला गया, जिसके माध्यम से लगभग 265 क्यूमेक्स (करीब 9,340 घनफीट प्रति सेकंड) की रफ्तार से अतिरिक्त पानी बैनगंगा नदी में छोड़ा जा रहा है। लगातार हो रही बारिश और बांध में बढ़ती जल आवक के चलते जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था। ऐसे में बांध की सुरक्षा और जलस्तर को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से अतिरिक्त पानी की निकासी का निर्णय लिया गया। अधिकारियों के अनुसार जलस्तर की स्थिति पर

प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को किया अलर्ट, निचले इलाकों में जाने से बचने की अपील



लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर गेटों के संचालन में बदलाव किया जा सकता है। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद बैनगंगा नदी का जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियात बरतने

की अपील जारी की है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। साथ ही लोगों से नदी में स्नान, मछली पकड़ने, पुल-पुलियों पर अनावश्यक आवाजाही तथा नदी के

लखनादौन नगर परिषद की सार्वजनिक सूचना जारी, थोक कचरा उत्पादकों के लिए नए नियम लागू

हरिभूमि न्यूज▶▶ लखनादौन।

नगर परिषद लखनादौन ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं ठोस अपशिष्ट बंधन नियम, 2026 के तहत सार्वजनिक सूचना जारी कर नगर सीमा क्षेत्र में आने वाले थोक कचरा उत्पादकों के लिए नए दिशा-निर्देश लागू किए हैं। जारी सूचना के अनुसार, ऐसे भवन या संस्थान जिनका क्षेत्रफल 20,000 वर्गमीटर या अधिक हो, या जो प्रतिदिन 4 लाख लीटर पानी की खपत करते हों अथवा 100 किलोग्राम प्रतिदिन से अधिक कचरा उत्पन्न करते हों, उन्हें थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में रखा जाएगा। नगर परिषद ने मैरिज गार्डन, होटल,

रेस्टोरेंट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, अस्पताल एवं अन्य बड़े संस्थानों को अपने परिसर में ही गीले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण, कचरे का पृथक्करण, केन्द्रीय पोर्टल पर पंजीयन, केयरेटेकर की नियुक्ति तथा प्रतिदिन के कचरे का रिकार्ड संधारित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई संस्थान इन नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी तथा नियमानुसार अर्थदंड भी लगाया जाएगा। नगर परिषद ने सभी संबंधित संस्थानों से निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है।

हरिभूमि न्यूज▶▶सिवनी।

घंसीर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक युवक की मौत के बाद शुक्रवार को हालात तनावपूर्ण हो गए। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने युवक का शव मंडला-लखनादौन स्टेट हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया। इसके चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। मृतक के परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब वे गंभीर हालत में युवक को अस्पताल लेकर पहुंचे, तब किसी डॉक्टर ने उसका



उपचार नहीं किया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकीय उपचार लंबे समय से खराब होने के कारण उपलब्ध नहीं हो सकी। उनका कहना है कि उन्होंने लगभग चार घंटे तक एम्बुलेंस का इंतजार किया, लेकिन वाहन नहीं पहुंचा। उनका दावा है कि

गंभीर होने पर उसे रेफर तो कर दिया गया, लेकिन अस्पताल की एम्बुलेंस लंबे समय से खराब होने के कारण उपलब्ध नहीं हो सकी। उनका कहना है कि उन्होंने लगभग चार घंटे तक एम्बुलेंस का इंतजार किया, लेकिन वाहन नहीं पहुंचा। उनका दावा है कि

सांदीपनि विद्यालय अनुशासनहीनता की चपेट में, प्राचार्य की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

छपरा। प्रदेश के वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री ने शिक्षा के लिए बेहतर भवन से लेकर अच्छी और उत्कृष्ट पढ़ाई को मजबूत करने के लिए कार्य करता रहेगा। समारोह के अंत में सभी ने नवागत तहसीलदार श्री टेकाम का अभिनंदन करते हुए उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा सेवानिवृत्त तहसीलदार श्री धुर्वे को स्मृति-चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का मय्य समापन 502 कार्यक्रमों से जिले में जागरूकता की नई मिसाल

हरिभूमि न्यूज▶▶सिवनी।

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान का भव्य समापन समारोह गुरुवार को पी.एम. एक्सलेंस शासकीय पीजी कॉलेज, सिवनी के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस, प्रशासन, शिक्षा जगत, सामाजिक संस्थाओं एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी एवं अध्यक्षता कर रहे डॉ. रविकांत नाग ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा, ब्रह्मकुमारी संस्था से नीतू दीदी, जिला खेल अधिकारी श्रीमती मनु धुर्वे, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य महेश गौतम, जनभागीदारी समिति के निवर्तमान अध्यक्ष अजय पांडेय, एसडीओपी नम्रता सौंधिया, अपूर्व भलावी, आशीष भराड़े तथा सीएसपी चंचलेश मरकाम सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पुलिस नियंत्रण कक्ष प्रभारी निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे एवं साइबर सेल प्रभारी एएसआई देवेन्द्र जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में माउंट लिटरा स्कूल के विद्यार्थियों ने मनमोहक शास्त्रीय नृत्य एवं स्वागत गीत प्रस्तुत



किया, जबकि श्रीमती हनी मनोज गुप्ता ने अपने मधुर स्वर में वंदे मातरम् की प्रस्तुति देकर माहौल को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने अपने संबोधन में कहा कि नशे से दूरी है जरूरी केवल एक उद्घोष नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जागरूकता बननी चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर सिवनी पुलिस द्वारा तैयार विशेष जनजागरूकता गीत ओ

मध्यप्रदेश बाह्य स्रोत विद्युत कर्मचारी संगठन ने कर्मचारियों की सुरक्षा एवं अधिकारों को लेकर सौंपे ज्ञापन 2 अगस्त भोपाल रैली में बड़ी भागीदारी की तैयारी



शांतिपूर्ण तरीके से प्रयोग कर सकें और साथ ही विद्युत व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे। इसके अतिरिक्त संगठन ने आउटसोर्स कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए ऑनलाइन अटेंडेंस (ऑनलाइन आउट) व्यवस्था की समीक्षा, कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, दुर्घटना की स्थिति में स्पष्ट जवाबदेही, पर्याप्त सुरक्षा उपकरण नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण, दुर्घटना बीमा तथा सबस्टेशन ऑपरेटरों के लिए रेस्ट रिलीवर एवं

हेल्पर की व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण मांगें भी उठाईं। संगठन ने कहा कि विद्युत व्यवस्था अत्यंत संवेदनशील सेवा है और इसमें कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग एवं ठेका एजेंसियों की संयुक्त जिम्मेदारी है। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग कर्मचारियों की जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर सुरक्षित कार्य वातावरण, सम्मानजनक कार्य परिस्थितियाँ एवं श्रमिक हितों की रक्षा सुनिश्चित करेगा।

घंसीर अस्पताल में 20 वर्षीय युवक की मौत के बाद शव सड़क पर रखकर चक्काजाम, एंबुलेंस और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर परिजनों का प्रदर्शन

समय पर एम्बुलेंस और उचित उपचार मिल जाता तो युवक की जान बच सकती थी। घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने दोषी डॉक्टरों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई, अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय जांच तथा बीएमओ भारतीय सोनकेशरिया को तत्काल हटाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अस्पताल में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाएं बहाल हैं और मरीजों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घंसीर, पूरा राजस्व अमला, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी नम्रता

सिंधिया सहित कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक परिजन और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए थे। प्रदर्शनकारी लगातार कलेक्टर नेहा मीना को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक कलेक्टर स्वयं घटनास्थल पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन नहीं देतीं, तब तक चक्काजाम समाप्त नहीं किया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल प्रबंधन और बीएमओ की ओर से परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

सिवनी शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय ने रचा नया कीर्तिमान, एम.एससी. नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर का परिणाम रहा 100 प्रतिशत

सिवनी। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, सिवनी ने शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल 2026 में आयोजित एम.एससी. नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर परीक्षा में महाविद्यालय का परिणाम 100 प्रतिशत रहा।

हरिभूमि न्यूज▶▶सिवनी।

सभी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर भूषण बढ़ाया। महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं समस्त स्टाफ ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं संस्थान के उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण को दिया। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, सिवनी का यह शत-प्रतिशत परिणाम संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा का प्रमाण है।

एवं कल्पना ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं समस्त स्टाफ ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं संस्थान के उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण को दिया। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, सिवनी का यह शत-प्रतिशत परिणाम संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा का प्रमाण है।



गर्भवती महिलाओं को डरा-धमका कर निजी नर्सिंग होम का दिखा रहे हैं रास्ता जिला चिकित्सालय की कार्यप्रणाली से नाराज विधायक, लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिला अस्पताल में भर्ती एक गर्भवती महिला को प्रसव कराए बिना निजी अस्पताल रेफर करने पर विधायक अनुभा मुंजारे ने अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य व्यवस्था पर जमकर नाराजगी जताई।

जानकारी के अनुसार, विधायक के परिचित परिवार की गर्भवती महिला प्रीति को गुरुवार को प्रसव के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विधायक का आरोप है कि दिनभर महिला को उचित जांच नहीं की गई और प्रसव को हाईरिस्क बताकर व्यवस्था न होने का हवाला देते हुए रेफर कर दिया गया। इसके



बाद परिजन को महिला को निजी अस्पताल ले जाना पड़ा। घटना के बाद विधायक मुंजारे प्रसूता को लेकर सीधे सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन के पास पहुंचीं और डॉक्टरों के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर जिम्मेदारी से बच रही हैं और प्रसव

से पहले परिजन को इतना डरा दिया जाता है कि वे घबरा जाते हैं। विधायक ने चेतावनी दी कि यदि रेफर करने की यह प्रणाली नहीं बदली गई, तो जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। मामले पर सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने सफाई देते हुए कहा कि हाईरिस्क मामलों में



परिजनों की सहमति बेहद जरूरी होती है। शुरू में परिजन सहमति नहीं दे रहे थे, जिससे इलाज में दिक्कत आई। हालांकि बाद में सहमति मिलने पर महिला का उपचार शुरू कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला अस्पताल से मरीजों को रेफर करने का यह कोई पहला

मामला नहीं है। दुर्घटनाओं या अन्य गंभीर बीमारियों के मामलों में भी अक्सर मरीजों को रेफर कर दिया जाता है, जिससे उन्हें मजबूरी में निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना पड़ता है। वहीं अस्पताल प्रबंधन हर बार चिकित्सकों की कमी को रोना रोता नजर आता है।

ग्राम पंचायत गर्रा आवारा पशुओं पर करेगी कार्यवाही



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

औद्योगिक नगरी ग्राम पंचायत गर्रा प्रधान वैभवसिंह बिसेन ने ग्राम की जनता से अपील करते हुए कहा है कि पशु मालिक अपने पशुओं को नियंत्रण में रखें। चौक-चौराह, रानी अर्वाति बाई चौक, फूले चौक तथा बस्ती वाले चौक पर आवारा पशुओं का जमावड़ा, यातायात व्यवस्था को बाधित कर रहा है। 23 जुलाई को सचिव के द्वारा मुनादी आदेश निकालकर ग्राम कोटवार से मुनादी करवाई गई थी किन्तु पशु मालिकों के द्वारा अपने पशुओं को नियंत्रण में न रखकर उन्हें खुला छोड़ रहे हैं। आवारा पशुओं से यातायात बाधित

हो रही हैं, तथा सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। मैं पुनः पशु पालकों से अपील करता हूँ अपने पशुओं को नियंत्रण में रखें, अन्यथा हॉका गैंग के माध्यम से पशुओं को कांजी हाउस में रखकर जुमाने की कार्यवाही की जाएगी। इससे पूर्व भी ग्राम प्रधान वैभवसिंह बिसेन के द्वारा पिछले 3-4 वर्षों में हॉका गैंग में सहभागिता निभाते हुए आवारा पशुओं पर नकेल कसने की कार्यवाही की गई थी तथा ग्राम गर्रा में यातायात व्यवस्था सुचारू की गई थी।



इनका कहना है

सोशल मीडिया व्हाट्सअप ग्रुप पर आवारा पशुओं के द्वारा यातायात बाधित करने का वीडियो देखा गया है, आमजन से मेरा निवेदन है अभी हमारे ग्राम में खरीफ फसल का कार्य चल रहा है, अधिकांश कृषक खेतों पर पराह लगाने का कार्य कर रहे हैं। 2-4 दिनों में हॉका गैंग तैयार कर जिसमें मैं स्वयं भागीदारी निभाते हुए आवारा पशुओं पर कार्यवाही करूंगा। वैभवसिंह बिसेन, ग्राम प्रधान गर्रा

कंजई स्कूल में विदाई-अभिनेंदन समारोह संपन्न, शिक्षकों को दी भावभीनी विदाई



हरिभूमि न्यूज लालबरा।

एकोकृत शासकीय माध्यमिक शाला कंजई (विकासखंड लालबरा) में दिनांक 31 जुलाई 2026 को विदाई एवं अभिनेंदन समारोह का गरिमायम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाला परिवार और गरमान्य नागरिकों ने अपनी समर्पित सेवाएं पूरी करने वाले शिक्षकों को भावभीनी विदाई दी। इस विशेष अवसर पर सहायक शिक्षिका श्रीमती सूर्यकला मेश्राम और जन शिक्षक केशवराव तुरकर

का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंटकर आत्मीय अभिनेंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने दोनों शिक्षाविदों के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिया गया योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। गरमान्य नागरिकों की रही गरिमायम उपस्थितिसमारोह में मुख्य रूप से समाजसेवी ढालसिंह बिसेन, ग्राम पंचायत कंजई के सरपंच एवं जिला सचिव (विधिक संरक्षक जिला सरपंच संघ बालाघाट) एडवोकेट आनंद बिसेन, उपस्थित

रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विदा हो रहे शिक्षकों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन और आभार प्रदर्शन प्रभारी प्रधान पाठक एवं शाला के समस्त शिक्षक स्टाफ सुरेश कुमार डाहोटे, प्रतिभा देशमुख, मोनिका राहंगडाले, एम एस राणा, शैल चौकसे, हेमंत कुमार बोपंचे, द्वारा किया गया। इस भावुक क्षण में स्कूल के बच्चे, अभिभावक और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इनकी रही उपस्थित रही, पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन, सुदर्शन बिसेन, आशीष बिसेन, हुकुमचंद ठाकरे, देवी प्रसाद हलकरे, कुशनाजी तुरकर, शिवलाल भरपंच, तुलसीराम कोडापे, सचिव होमेश्वर ठाकरे, सीताराम पंचेश्वर, गौरी शंकर कटरे, सहित अनेको ग्रामीण जन उपस्थित थे।

विश्व टाइगर दिवस पर सांदीपनि विद्यालय मलाजखंड में गूंजा ‘बाघ बचाओ’ का संदेश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। विश्व टाइगर दिवस के अवसर पर 29 जुलाई 2026 को सांदीपनि विद्यालय मलांजखंड में वन्यजीव संरक्षण एवं बाघों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ‘बाघ बचाओ’ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और बाघों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाघों के प्राकृतिक आवास, खाद्य श्रृंखला में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा वनों के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने नुकड़ नाटक, भाषण, पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन एवं जागरूकता संदेशों के माध्यम से बाघ बचाओ, जंगल बचाओ का प्रभावशाली संदेश दिया।

साथ ही सभी विद्यार्थियों ने वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प भी लिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री गंगा प्रसाद



कटरे ने अपने संबोधन में कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि बाघों का संरक्षण प्रकृति और मानव जीवन दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों में वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया।

पौधारोपण और शिक्षा सामग्री वितरण के साथ मनाया जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज बिरसा।

जनपद पंचायत बिरसा के उपाध्यक्ष और शिक्षा समिति के सभापति हेमंत साहू ने अपना जन्मदिन इस वर्ष सादगी, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ मनाते हुए हाईस्कूल कर्मियों के छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचकर शिक्षा, नशे से दूरी एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को कॉपी एवं पेन वितरित किए तथा विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरियाली और प्रकृति संरक्षण का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हेमंत साहू ने कहा कि जीवन में सफलता का सबसे बड़ा आधार अनुशासन, स्पष्ट लक्ष्य, स्वस्थ प्रतियोगिता और निरंतर अध्ययन है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी समय का सम्मान करता है, नियमित पढ़ाई करता है और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है, वही भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज का दौर कड़ी प्रतियोगिता का है। हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि कठिन परिश्रम, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास भी आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से मोबाइल और



अन्य अनावश्यक गतिविधियों में समय व्यर्थ न करने तथा प्रतिदिन नियमित अध्ययन करने का आग्रह किया। हेमंत साहू ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय का सम्मान करने, अच्छे संस्कार अपनाने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। नशे से होने वाले नुकसान बताते हुए उन्होंने बच्चों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो व्यक्ति के साथ-साथ पूरे समाज का भविष्य बदल सकती है।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण

करते हुए उन्होंने प्रत्येक छात्र से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

संस्था प्रमुख एस.सी.यादव और विद्यालय परिवार ने हेमंत साहू की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जन्मदिन को सामाजिक सेवा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया, जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा नियमित अध्ययन, अनुशासन और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। जन्मदिन के शुभ अवसर पर उपाध्यक्ष हेमंत साहू के साथ प्रभारी प्राचार्य ए. सी. यादव, ए. न. सी. पं. द्र., ए. एस. मे. रा. वी., ए. सी. के. लि. लहारे, दिनेश नेताम, वीणा डोमडे, संतोष यादव, नरेश घघेल, खेमलाल, रीमा यादव, अंकिता चौधरी, मिलन सिधनधुरे, युवराज ठाकरे, खिलेन्द्र यादव सहित समस्त स्टाफ और बच्चों की उपस्थिति रही।

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा में मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आयोजित 15 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेखा वानखेड़े के द्वारा माता सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस गतिविधि में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता, मेरे जीवन में गुरु विषय पर निबंध प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोक भजन एवं गुरु वंदना, योगाभ्यास, ध्यान एवं स्वास्थ जागरूकता, करियर मार्गदर्शन, एवं प्रेरक व्याख्यान, एक गुरु एक वृक्ष वृक्षारोपण

शास.बालक उच्च. माध्य. विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा

अभियान, गुरु शिष्य प्रेक्ष संवाद आदि गतिविधि करवाई गई। समस्त गतिविधियां प्राचार्य की उपस्थिति में गतिविधि प्रभारी शिक्षकों के द्वारा करवाई गई। गतिविधि के अंतिम दिन समस्त छात्र/छात्राओं ने पुष्प गुच्छ के द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रंजना वैद्य, प्राचार्य रेखा वानखेड़े, एवम समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का



अभियान, गुरु शिष्य प्रेक्ष संवाद आदि गतिविधि करवाई गई। समस्त गतिविधियां प्राचार्य की उपस्थिति में गतिविधि प्रभारी शिक्षकों के द्वारा करवाई गई। गतिविधि के अंतिम दिन समस्त छात्र/छात्राओं ने पुष्प गुच्छ के द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रंजना वैद्य, प्राचार्य रेखा वानखेड़े, एवम समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का

स्वागत किया। इसके पश्चात रंजना वैद्य ने अपने वक्तव्य में छात्र छात्राओं को अधिक से अधिक बेहतर वार्षिक परिणाम देने की बात कही वही विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा की विशेषताओं से अवगत कराया साथ ही समाज में गुरु के महत्व पर भी प्रकाश

डाला। वही दसवीं तथा 12 वीं के विद्यार्थियों में पारस बिसेन, चंचल पांचे, नितिन वैद्य, किर्यांशु शरणागत, हर्ष बाहेर, सदस्य रौनक उके, खुशी बिसेन, हर्ष मेश्राम, सूर्याश गणवीर, दुर्गेश्वरी, डिंपल एवं रंजिता तथा इनकी पूरी टीम गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम को बढ़े ही आनंद एवं उमंग के साथ संपन्न कराया।

विधायक, टीआई से बोले ईमानदारी से काम करें, अपराधी पकड़े, लोगों का डर खत्म हो, एक माह में तीन बड़ी चोरी, पुलिस खामोश वारासिवनी पुलिस नहीं कर रही चोरी की एफआईआर, विधायक को साथ लेकर थाने पहुंचे पीड़ित

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 16 जुलाई से लेकर 29 जुलाई के बीच तीन बड़ी चोरियों की वारदात ने लोगों को डरा दिया है। बावजूद इसके पुलिस चोरियों की एफआईआर नहीं कर रही है। जिससे पीड़ित नाराज हैं। 29 जुलाई को वॉर्ड नंबर 1 मिश्रा नगर निवासी डॉक्टर योगेन्द्र राहंगडाले के यहां 12 लाख रुपयों से ज्यादा के जेवरात और नगद 2 लाख रुपए की चोरी की घटना के दो दिन बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की जिससे परेशान डॉ. दंपति ने इसकी शिकायत विधायक विवेक पटेल से की जिसके बाद विधायक विवेक पटेल स्वयं पीड़ित परिवार को साथ लेकर वारासिवनी थाना पहुंचे। और थाना प्रभारी को पीड़ित की एफआईआर लिखने के निर्देश दिए। वहीं थाना प्रभारी अनूप कुमार उईके ने विधायक विवेक विक्की पटेल को



आश्चर्य किया कि बहुत जल्द इनकी शिकायत दर्ज कर ली जायेगी। पीड़ित डॉक्टर योगेन्द्र राहंगडाले ने बताया कि 29 जुलाई को हुई चोरी की सूचना वारासिवनी पुलिस को दी गई थी जिसके बाद पुलिस, डॉंग स्कॉड और फिंगर प्रिंट की टीम ने घटनास्थल की जांच की। लेकिन पुलिस ने कोई एफआईआर नहीं की। पुलिस बोल रही थी कि पूरी जांच के बाद एफआईआर की

जाएगी जिसके बाद मैंने आज मामले को लेकर विधायक से मुलाकात कर उन्हें घटना से अवगत कराया है। विधायक ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की बात कही है। शहर में इतनी चोरियां हो रही हैं लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही है। अब आम जनता का धीरे धीरे पुलिस के प्रति विश्वास खत्म होता जा रहा है। जब पुलिस ही आम जनता

की सुरक्षा नहीं कर सकती है। जो आम लोग कैसे उन्हें सपोर्ट करेंगे। विधायक विवेक पटेल ने बताया कि यह चिंतनीय है कि एक माह के भीतर तीन बड़ी चोरियां हो गई। चोरी मामले में एफआईआर नहीं करने की जानकारी के बाद हमने एसडीओपी और थाना प्रभारी से मुलाकात कर उन्हें कहा कि पुलिस चोरियों के मामले में कार्रवाई करें। ताकि आरोपी पकड़े जाए। और लोगों में डर खत्म हो। हमने पुलिस से कहा है कि वह अन्य काम के साथ ही शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो। शहर में गरत बढ़ाए, ताकि अपराधियों पर पुलिस का डर बना रहे। थाना क्षेत्र में एक माह के भीतर तीन बड़ी चोरी हुई है जिसके फुटेज भी पुलिस के पास मौजूद है। एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने हमें आश्चर्य किया है। बहुत जल्द पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

बड़पानी-गोरेघाट मार्ग पर दिखा बाघ!

वीडियो वायरल होने से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग की अपील-अकेले न जाएं, सतर्क रहें

हरिभूमि न्यूज कंटगी। तिरोड़ी तहसील के पठार अंचल में शुक्रवार 31 जुलाई की सुबह 10 बजकर 55 मिनट पर बड़पानी से गोरेघाट जाने वाले सड़क मार्ग पर वन्य प्राणी बाघ दिखाई देने से हड़कंप मच गया। बाघ को सड़क के किनारे हमलावर मुद्रा में खड़ा देखा गया। जिसे कुछ राहगीरों ने अपने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया। बाघ के दिखने के बाद पठार अंचल में डर का माहौल है। इन दिनों खेतों में कृषि कार्य जोरों पर है, जिसके कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूरी के लिए खेतों की ओर जा रहे हैं। जिनमें दहशत का माहौल है और ग्रामीण खेतों में कृषि कार्य करने के लिए जाने से कतरा रहे हैं। वहीं स्कूल खुलने से बच्चों और अभिभावकों में भी दहशत बनी हुई है। हालांकि वन्य प्राणी बाघ के दिखाई देने के बाद से वन विभाग का अमला सक्रिय हो गया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से



अपील की है कि वह जंगल और सुनसान रास्तों पर अकेले न जाएं। सुबह-शाम सतर्क रहें और बच्चों को भी अकेला बाहर न भेजें। गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों पहले पठार अंचल में वन्य प्राणी बाघ के हमले से ग्रामीणों की मौत के मामले भी सामने आए हैं। जिसके बाद विभाग को ग्रामीणों के आक्रोश और विरोध का सामना करना पड़ा। अगर, फिर कोई हादसा होता है तो ग्रामीणों से निपटना वन विभाग के लिए चुनौती बन सकता है। वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। बड़पानी सरपंच दीपक गभने के मुताबिक बीते कुछ दिनों से वन्य प्राणी बाघ को सड़क के किनारे और आबादी के जवदीक देखा जा रहा है। उन्होंने वन विभाग से मांग की है कि वन्य प्राणी को गांव के दूर सुरक्षित आवास में छोड़ा जाए।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट
ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE
ADMISSION OPEN 2026-27
Polytechnic | B.Tech | M.Tech
Part Time / Full Time
LAW • B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.

• D. PHARMACY
• B. PHARMACY
• M. PHARMACY
• B.Sc. (Hons.) Ag.
• B.Tech (Agri) Engg.
• M.Sc. (Ag.)
ABM
SC/ST/0BC
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) | (91764192111, 91764202111